B-3

L-22

Economy

⇒ CRR (Cash Reserve Ratio) (नकद कोषानुपात अथवा नकद आरक्षित अनुपात)

⇓

वाणिज्यिक बैंकों को NDTL का एक भाग रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में रखना होता है। इसे CRR कहते हैं। CRR में होने वाले परिवर्तन बैंकों की साख-सृजन (Credit Creation) की क्षमता को गुणात्मक रूप से (In a multiplier way) प्रभावित करते हैं।

उदाहरण के लिए, यदि CRR कम किया जाता है तो बैंकों की साख-सृजन की क्षमता गुणात्मक रूप से बढ़ जाती है। इसे तकनीकी रूप से साख विस्तार (Credit Expansion) कहते हैं।

इसी प्रकार यदि CRR को बढ़ाया जाता है तो बैंकों की साख सृजन की क्षमता गुणात्मक रूप से कम हो जाती है। इसे तकनीकी रूप से साख संकुचन (Credit Squeeze / Contraction) कहते हैं।

Note- वर्ष 2006 में CRR की न्यूनतम सीमा (3%) और उच्चतम सीमा (15%) को हटा दिया गया।

यह ध्यान देने योग्य है कि CRR के अन्तर्गत बैंकों द्वारा रिजर्व बैंक के पास रखे जाने वाले Cash (जिसे तकनीकी रूप से Reserve कहते हैं।) के लिए कोई ब्याज नहीं दिया जाता है।

NDTL = Net Demand & Time Liabilities
↳ जनता की जमायें।

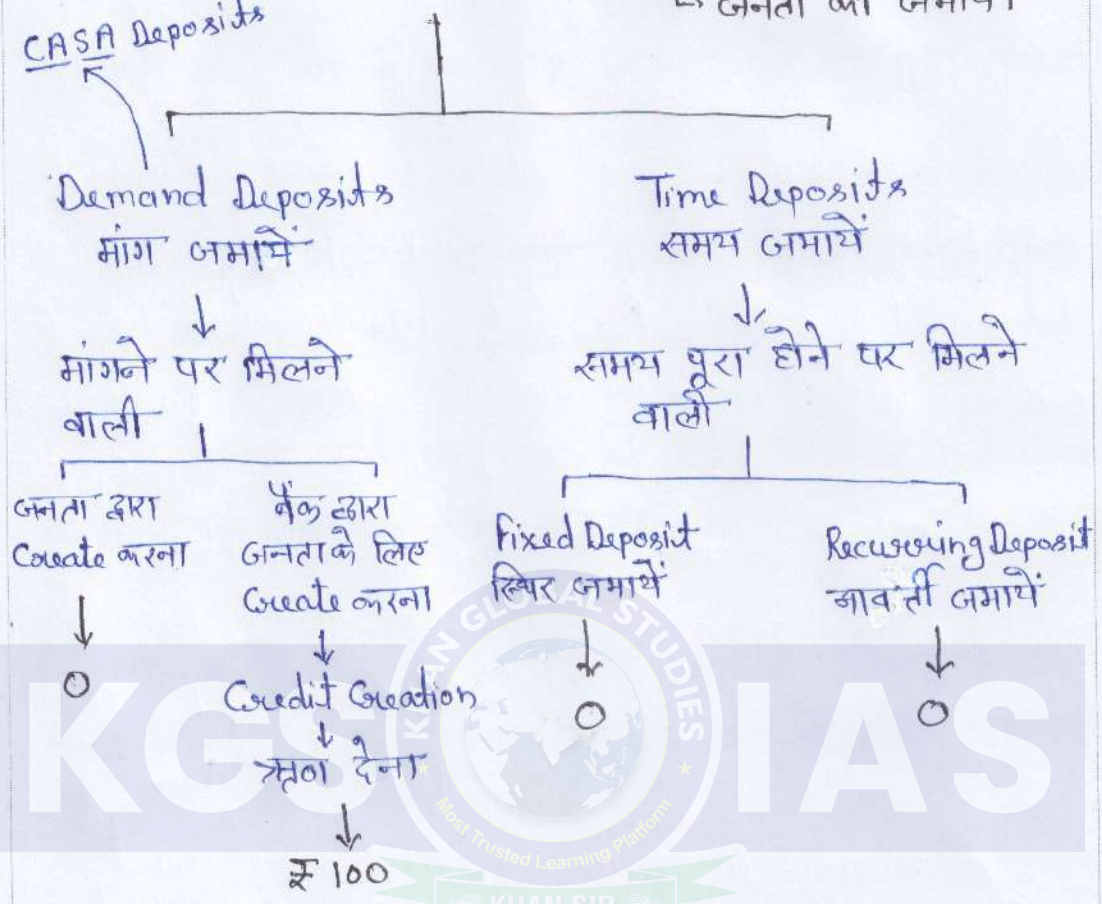

Total NDTL = ₹ 100

यदि CRR 10% हो तो एक बैंक को रिजर्व बैंक के पास नकद रूप में 10 ₹ रखने होंगे।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ CRR और मुद्रा गुणक (Money Multiplier)

यदि बैंकों को केवल CRR रखना पड़े तो मुद्रा गुणक का सूत्र $\frac{1}{CRR}$ होगा।

यदि CRR 10% है तो मुद्रा गुणक निम्न प्रकार दिया जा सकता है ⇒ $\frac{1}{10\%} = \frac{1}{0.10} = 10$

इसका अर्थ यह हुआ कि RBI के पास रखे जाने वाला रिजर्व, 10 गुना तक तरलता का विस्तार कर सकता है।

यदि CRR 5% हो जाये तो RBI के पास रखे जाने वाला रिजर्व, २० गुना तक तरलता का विस्तार कर सकता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

⇒ Liquidity Based Ranking

(i) Currency
(ii) Demand Deposits
(iii) Saving Deposits
(iv) Time Deposits

⇒ SLR = Statutory Liquidity Ratio
(वैधानिक तरलता अनुपात)

⇓

वाणिज्यिक बैंकों को रिजर्व बैंक के नियमानुसार NDTL का एक भाग अपने पास तरल परिसंपत्तियों के रूप में रखना होता है इसे SLR कहते हैं।

तरल परिसंपत्तियों में बैंकों के समक्ष निम्न विकल्प होते हैं –

(i) Cash
(ii) Gold
(iii) G-Sec
(iv) SDF Rate Deposits
(अप्रैल 2022 से)

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

SLR से एक सीमा तक जमा कर्ताओं को सुरक्षा प्राप्त होती है। (UPSC PT)

वर्ष 2006 में SLR की न्यूनतम सीमा 25% को हटा दिया गया।

⇒ CRR, SLR और मुद्रा गुणक -

यदि CRR के साथ SLR भी हो तो मुद्रा गुणक निम्न प्रकार होगा -

$$\frac{1}{CRR + SLR}$$

⇒ जनता में बैंकिंग आदत और मुद्रा गुणक पर प्रभाव -

इस सन्दर्भ में जनता की बैंकिंग आदत को दिखाने के लिए CDR (Currency Deposit Ratio) का प्रयोग किया जा सकता है। यह जमाओं का वह भाग होता है जिसे लोग अपने पास नकद रूप में रखना चाहते हैं।

बैंकों को CDR के अनुसार NDTL का एक भाग व्यवहारिक रूप से अपने पास नकद रूप में रखना होगा। इस प्रकार मुद्रा गुणक $\frac{1}{CRR + SLR + CDR}$ होगा।

यदि लोगों में बैंकिंग आदत अच्छी है तो CDR कम होगा और मुद्रा गुणक का मान बढ़ जायेगा। (UPSCPT)

यदि लोगों में बैंकिंग आदत अच्छी नहीं है तो CDR का मान अधिक होगा जिसके कारण मुद्रा गुणक का मान कम हो जायेगा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR